दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 09 दिसम्बर 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 71

अनाज मंडी में लगी भीषण आग में जलने से 43 की मौत

» दमकल की 27 गाड़ियां लगी आग बुझाने में » अधिकांश की मौत हुई दम घुटने से » मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख की सहायता

नईदिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के रानी झांसी रोड पर स्थित अनाज मंडी में आज सुबह भोर में एक स्कूल बैग बनाने और पैकिंग की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। 27 फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग मध्यम कैटेगरी की थी फिर भी बैग बनाने के लिए रखे फोम वगैरह की वजह से आग ने भयानक रूप ले लिया। अब तक कुल 56 लोगों को बचाया जा चुका है जबकि इस घटना में 43 लोगों मौत हो चुकी है। घायलों को राम मनोहर लोहिया और हिंदू राव अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है।

बता दें कि दमकल विभाग को सुबह 5.22 बजे आग लगने की जानकारी मिली जिसके बाद मौके पर दमकल के वाहनों को भेजा गया। दिल्ली फायर सर्विस के चीफ फायर ऑफिसर अतुल गर्ग भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, अब तक 56 लोगों को बचाया गया है। ज्यादातर लोग धुएं से प्रभावित हुए हैं। इस अग्नि दुर्घटना के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरबिंद केजरीवाल ने दुर्घटना स्थल का जायजा लिया तथा मृतकों के परिजनों को दिल्ली सरकार की ओर से 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की गई।

राहतकार्य जारी है। ऑपरेशन में दमकल के 27 वाहन लगे हुए हैं। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में दमकलकर्मी मौजूद हैं और फंसे हुए लोगों को निकालने में लगे हुए हैं। मकान की खिड़कियों से काला धुआं निकल रहा है जिससे जाहिर हो रहा है कि अंदर भीषण आग लगी थी। आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

सीएम केजरीवाल ने घटनास्थल का किया दौरा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज रानी झांसी रोड के निकट अनाज मंडी में अग्निकांड घटनास्थल एवं लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल (एलएनजेपी) का दौरा किया और घायलों का हालचाल जाना।

केजरीवाल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद एलएनजेपी जाकर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने यहां चिकित्सकों से भी बातचीत कर घायलों का हालचाल जाना।

केजरीवाल सरकार ने इस अग्निकांड के मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपए राहत राशि देने की घोषणा की है।

भवन मालिक का भाई गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की पुलिस को तलाश

अनाज मंडी में फैक्ट्री में भीषण आग लगने से अब तक 43 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं कई लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। मामले में पुलिस ने बिल्डिंग मालिक के भाई को हिरासत में ले लिया है और फैक्ट्री के मालिक की तलाश की जा रही है।

अनाज मंडी अग्नि कांड में बिल्डिंग मालिक का भाई गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की तलाशी में छापेमारी जारीआगजनी की इस घटना में कई लोगों की मौत झुलसने से हुई तो वहीं कई लोगों ने धुएं में दम घुटने की वजह से दम तोड़ दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक बिल्डिंग का मालिक दिल्ली के सदर बाजार का रहने वाला है। पुलिस ने बिल्डिंग के मालिक के भाई को हिरासत में ले लिया है।

इस घटना के बाद से इलाके में काफी हड़कंप मच गया और रेस्क्यू ऑपरेशन अभी जारी है। घटना को लेकर फायर ऑफिसर का कहना है कि यह दिल्ली का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन है। ज्यादातर लोग दम घुटने की वजह से प्रभावित हुए. मेरी जानकारी में ये दिल्ली का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन है।

आग की घटना में झुलसे लोगों को चार अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एलएनजेपी, लेडी हार्डिंग, सफदरजंग और हिंदू राव में भी आग में घायल हुए लोगों को भर्ती कराया गया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

आईईडी विस्फोट में घायल हुए 2 सुरक्षाकर्मी

रांची (आरएनएस)। रांची के बाहरी क्षेत्र में रविवार को आईईडी विस्फोट में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार, तमाड़ विधानसभा सीट पर मतदान प्रक्रिया पूरी कराने के बाद सीआरपीएफ के जवान रविवार की सुबह वापस लौट रहे थे। इसी दौरान नक्सली गुरिल्लाओं ने आईईडी विस्फोट किया, जिसमें दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायल जवानों को इलाज के लिए रांची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ज्ञात हो कि शनिवार को भी नक्सली गुरिल्लाओं ने खूंटी जिले के अर्की में सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया था। वहीं सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के बाद वे भाग खड़े हुए थे।

सोनिया नहीं मनाएंगी अपना जन्मदिन

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देशभर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों के मद्देनजर इस वर्ष अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार गांधी का जन्मदिन सोमवार को हैं और देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को देखते हुए इसे नहीं मनाने का फैसला किया है।

माकपा संसद में नागरिकता विधेयक पेश किए जाने पर संशोधन लाएगी

» धार्मिक शर्त हटाने की होगी मांग

नईदिल्ली (आरएनएस)। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने रविवार को कहा कि संसद में नागरिकता (संशोधन) विधेयक पेश किए जाने पर पार्टी इसमें दो संशोधन लाएगी क्योंकि वह विधेयक के मौजूदा स्वरूप का विरोध करती है। येचुरी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी दो संशोधन ला कर उन सभी शर्तों को हटाने की मांग करेगी, जो धर्म को नागरिकता प्रदान करने का आधार बनाते हैं। उन्होंने कहा, ''हम धर्म के आधार पर, वह भी तीन देशों के लोगों को नागरिकता देने वाले नागरिकता (संशोधन) विधेयक का पुरजोर विरोध करते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत समान रूप से सभी धर्मों का घर है और सभी धर्मों के लोगों के साथ अवश्य ही समान व्यवहार होना चाहिए।

नागरिकता विधेयक पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी तकरार की आशंका

नईदिल्ली (आरएनएस)। शुक्रवार को महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों के मुद्दे पर आमने-सामने आये विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच सोमवार को भी लोकसभा में तीखी नोक-झोक की संभावना है क्योंकि सरकार बहुचर्चित और विवादास्पद 'नागरिकता संशोधन विधेयक 2019' को लोकसभा में पेश करने जा रही है। सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस विधेयक को प्रश्न काल और भोजनावकाश के बीच सदन में पेश कर सकते हैं। विधेयक में बंगलादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर प्रताड़ना के कारण देश में शरण लेने वाले गैर मुस्लिमों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है।

भाजपा ने अनाज मंडी आग हादसे के लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के अनाज मंडी इलाके में हुए अग्निकांड के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा ने इस घटना के लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है तो वही आप ने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी शवों को लेकर राजनीति कर रही है। कांग्रेस ने यहां सभी तीनों नगर निगमों में सत्तारूढ़ भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) पर शहर में हुए इस भयानक हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है। इस हादसे में 43 लोगों की मौत हो गई। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष मनोज तिवारी केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप पुरी के साथ घटनास्थल पर गये। तिवारी ने कहा कि क्षेत्र में बिजली की तार लटक रही है लेकिन कई शिकायतों के बाद भी सरकारी एजेंसियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस ने इस घटना के लिए आप सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाले नगर निगमों को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा, ''केजरीवाल सरकार इसके लिए जिम्मेदार है। नगर निगम भी भाजपा के तहत आते हैं। वे भी इसके लिए उतने ही जिम्मेदार हैं।'' तिवारी ने भाजपा की ओर से पीड़ितों के परिवारों के लिए पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को इलाज के लिए 25-25 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पार्टी ने इस हादसे के मद्देनजर आज दिन के अपने सभी कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया। पुरी ने कहा कि वह दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है।

गृह मंत्रालय ने दिल्ली फैक्ट्री अग्निकांड पर रिपोर्ट मांगी

» शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी आग

नईदिल्ली (आरएनएस)। गृह मंत्रालय ने दिल्ली में रविवार की अलस्सुबह एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने की घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस आग में 43 लोगों की जान चली गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हैं। पश्चिमी दिल्ली के रानी झांसी इलाके में शॉर्ट सर्किट की वजह से एक बैग मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री में आग लग गई। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस व राज्य सरकार, दोनों से रिपोर्ट तलब की है।

संबंधित अधिकारियों को आग की घटना पर विस्तृत रिपोर्ट जमा करने को कहा गया है, 1997 के उपहार सिनेमा आग त्रासदी के बाद राष्ट्रीय राजधानी में इसे दूसरी सबसे बड़ी त्रासदी बताई जा रही है। उपहार सिनेमा आगकांड में 59 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

सूत्रों ने कहा कि गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को घटना का विवरण और उसके बाद की गई कार्रवाई के साथ मानदंडों का अवज्ञा की जानकारी देने को कहा गया है। यह कदम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा एक ट्वीट में घटना को भयावह व बहुमूल्य जीवनों का नुकसान कहे जाने के बाद उठाया गया है। शाह ने संबंधित अधिकारियों को सभी तरह की मदद देने का निर्देश दिया है।

शाह ने घटना के बाद ट्वीट किया, नई दिल्ली में आग दुर्घटना में बहुमूल्य जानों का नुकसान। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। संबंधित अधिकारियों को फौरी तौर पर हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। मरने वालों में ज्यादातर 14 से 20 साल उम्र के किशोर व नौजवान हैं।

चंद्रयान-3 की तैयारियों में जुटा इसरो, 75 करोड़ रूपये का बजट

नईदिल्ली (आरएनएस)। इसरो अब चंद्रयान-3 मिशन की तैयारियों में जुट गया है। इसरो ने इसके लिए केंद्र के सामने 75 करोड़ रुपये का बजट भी रखा है। यह राशि इसरो के वर्तमान बजट से अलग है जिससे इसरो अपने तीसरे महत्वकांक्षी मून मिशन को अंजाम देगा। वित्त मंत्रालय से इसे लेकर पुष्टि की गई है कि इसरो की ओर से चंद्रयान-3 के लिए बजट मांगा गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष के सप्लिमेंटरी बजट के प्रावधानों के तहत यह बजट मांगा गया है। इसमें 60 करोड़ रुपये मशीनरी, उपकरण और दूसरे खर्चों के लिए और बाकी 15 करोड़ रेवेन्यू खर्च के अंतर्गत मांगे गए हैं। सूत्रों ने बताया है कि इसरो को आश्वासन दिया गया है कि उसे पैसे दिए जाएंगे लेकिन प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

इसरो ने 2019-2020 के दौरान कुल 666 करोड़ रुपये का बजट मांगा है जिसमें से 11त्न से ज्यादा सिर्फ चंद्रयान-3 के लिए मांगा गया है। 666 करोड़ में से 8.6 करोड़ रुपये 2022 के प्रस्तावित ह्यूमन स्पेसफ्लाइट प्रोग्राम, 12 करोड़ स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल और 120 करोड़ लॉन्चपैड के डिवेलपमेंट के लिए मांगे गए हैं। सबसे ज्यादा डिमांड यूआर राव सैटलाइट सेंटर और सतीश धवन स्पेस सेंटर के लिए की गई है। दोनों के लिए 516 करोड़ रुपये मांगे गए है।

बता दें कि इससे पहले इसरो चंद्रयान और चंद्रयान-2 मिशन पर काम कर चुका है। चंद्रयान में जहां सिर्फ एक ऑर्बिटर चांद तक भेजा गया था, वहीं चंद्रयान-2 में ऑर्बिटर के साथ लैंडर और रोवर भी भेजे गए थे। इसरो का मिशन लैंडर को चांद की सतह पर लैंड कराना था लेकिन क्रैश लैंडिंग के कारण उस मिशन का यह हिस्सा सफल नहीं हो सका था। हालांकि, ऑर्बिटर चांद की कक्षा में चक्कर काट रहा है और अपना काम सही से कर रहा है।

विचारों का केंद्र हैं विश्वविद्यालय, समाज से अलग-थलग कोई चीज नहीं:कोविन्द

भुवनेश्वर (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को समाज के वंचित तबकों के सशक्तीकरण के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। उत्कल विश्वविद्यालय की प्लेटिनम जुबली के समापन समारोह में राष्ट्पति ने कहा कि विश्वविद्यालय कोई आइवरी टॉवर नहीं होते बल्कि यह विचारों के महान केंद्र होते हैं। यह समाज का हिस्सा होते हैं, इसलिए इन्हें सामाजिक बदलाव का हिस्सा बनना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षक समुदाय को ऐसे शोधों का हिस्सा बनना चाहिए जो न केवल नए ज्ञान आधार का सृजन करें बल्कि जो मानव समाज को सहारा देने के भी काम आएं।

राष्टपति ने कहा कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष जोर होना चाहिए। बहुविध फैकल्टी से संपन्न उत्कल विश्वविद्यालय जैसे संस्थान इस काम को करने के लिए सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि प्लेटिनम जुबली जैसे अवसर

मील के पत्थर हुआ करते हैं। लंबी यात्रा के इस पड़ाव में हम ठहरते हैं, पीछे मुड़कर देखते हैं फिर आगे की तरफ निगाह डालते हैं। यह समय उपलब्धियों के साथ आगे के संभावित सुधारों पर ध्यान देने का होता है।

राष्टपति ने कहा कि पूरे उत्कल समुदाय के लिए यह समय संस्थान के संस्थापकों की सोच के प्रति खुद को फिर से समर्पित करने का है।

इससे पहले राष्टपति ने खुरदा के बारुनेई हिल में पाइका विद्रोह स्मारक की आधारशिला रखी।

दिल्ली में आग की घटना पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री ने जताया शोक

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के रानी झांसी इलाके में कारखाने में लगी भीषण आग की घटना पर शोक व्यक्त किया है। इस हादसे में 43 लोगों की मौत हो गई है।

देश के दोनों प्रमुखों ने ट्वीट करके इसमें घायल हुए लोगों के ठीक होने की प्रार्थनाएं की हैं।

राष्ट्रपति ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली के अनाज मंडी में आग लगने की भयंकर घटना के बारे में सुनकर बेहद दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवार के साथ है। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। स्थानीय अधिकारी लोगों को बचाने और उन्हें सहायता प्रदान करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस हादसे को बेहद भयावह बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, इस घटना में जिन्होंने अपने परिजनों को खो दिया है उनके प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। अधिकारी घटना स्थल पर हर संभावित सहायता प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस घटना को दुखद बताते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकार की सहायता मुहैया कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

शाह ने ट्वीट किया, नई दिल्ली में अग्निकांड में कीमती जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। उन लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाए हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल आधार पर सभी संभावित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

नागरिकता विधेयक का पारित होना गांधी पर जिन्ना के विचारों की जीत होगी:थरूर

नईदिल्ली (आरएनएस)। संसद में नागरिकता (संशोधन) विधेयक का पारित होना निश्चित तौर पर महात्मा गांधी के विचारों पर मोहम्मद अली जिन्ना के विचारों की जीत होगी। यह बात रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कही। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर नागरिकता देने से भारत पाकिस्तान का हिंदुत्व संस्करण भर बनकर रह जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एक समुदाय को निशाना बना रही है और दूसरे धर्मों की तुलना में उस समुदाय के लोगों की उन्हीं स्थितियों में उत्पीड़न पर उन्हें शरण नहीं दे रही है। थरूर ने कहा कि अगर विधेयक को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया भी जाता है तो उन्हें विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय की कोई भी पीठ भारत के संविधान की मूल भावना का घोर उल्लंघन नहीं होने देगी।

शशि थरूर ने कहा, यह सरकार का शर्मनाक काम है जिसने पिछले वर्ष राष्ट्रीय शरणार्थी नीति बनाने पर चर्चा करने से इंकार कर दिया, जिसे मैंने निजी सदस्य विधेयक के तौर पर प्रस्तावित किया था और तत्कालीन गृह मंत्री, गृह राज्यमंत्री और गृह सचिव के साथ निजी तौर पर साझा किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि अचानक उन्होंने शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए आगे बढ़कर काम किया है, जबकि वास्तव में वे मूलभूत कदम भी नहीं उठाना चाहते जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत शरणार्थी दर्जा तय करने में सुधार या शरणार्थियों से अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

थरूर ने कहा, इससे स्पष्ट होता है कि यह महज कुटिल राजनीतिक चाल है ताकि भारत में एक समुदाय को निशाना बनाया जा सके। इससे हम पाकिस्तान का हिंदुत्व संस्करण भर रह जाएंगे। विधेयक पर कांग्रेस के रूख के बारे में पूछने पर थरूर ने कहा, हालांकि, मैं पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता नहीं हूं, लेकिन मुझे विश्वास है कि कांग्रेस में हम सब मानते हैं कि नागरिकता संशोधन विधेयक न केवल संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत प्राप्त समानता और धार्मिक आधार पर भेदभाव नहीं करने की मूल भावना के खिलाफ है बल्कि भारत की अवधारण पर भी हमला है।

उन्होंने कहा कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम इस आधार पर बंट गया कि क्या धर्म के आधार पर राष्ट्रीयता तय की जाए और जिन लोगों का उस सिद्धांत में विश्वास था उन्होंने पाकिस्तान की अवधारणा की वकालत की। थरूर ने कहा, महात्मा गांधी, (जवाहर लाल) नेहरू, मौलाना (अबुल कलाम) आजाद, डॉक्टर आंबेडकर का इसके उलट विश्वास था कि धर्म का राष्ट्रीयता से कोई लेना-देना नहीं है।